बहुजन ज्ञान विमर्श की साप्ताहिक बैठक में प्रस्तुति के लिये
शुक्रवार, 8 मई 2026

वाराणसी से कार्य

2026-27

बहुजन पर ज़ुल्म को ख़त्म करने का रास्ता
बहुजन के इल्म यानि लोकविद्या के बल पर बनता है.

1. वाराणसी ज्ञान पंचायत :

- **वार्ड ज्ञान पंचायतों को बनाना** – वाराणसी के पांच वार्डों में ज्ञान पंचायत बनाना.
- **लोकनीति संवाद चलाना** - वार्ड के ज्ञान भण्डार के बल पर सबके हित की लोकनीति के मुद्दे सामने लाना.
- **सुर साधना का प्रकाशन** - सुर साधना में लेख, कविता आदि लिखना.

2. बहुजन आख्यान का सृजन :

- **बहुजन ज्ञान संवाद चलाना** - ये संवाद समाजों के बीच जाकर करना है. इसके लिए चुने हुए वार्डों में विविध ज्ञानी लोगों के साथ संवाद होगा. यह संवाद उनके ज्ञान, समाज और वार्ड की व्यवस्थाओं के बारे में होगा. इस बहस के मार्फ़त निम्नलिखित मुद्दों पर इस संवाद को आकार देंगे.
  - ज्ञान के क्षेत्र में ऊंच-नीच ख़त्म होनी चाहिए.
    (फ़ज़लुर्रहमान)
  - हमारा समाज पहले कैसा था, इसे ब्राह्मणवादी और विश्वविद्यालय की विद्या/शिक्षा के सहारे नहीं, बल्कि अन्य अनेक सबूतों/स्रोतों से जानना चाहिए.
    (लक्ष्मण प्रसाद)
  - राज परंपरा और प्रशासनिक प्रबंधन की विरासत हमेशा ही बहुजन के पास रहीं है.
    (रामजनम)
  - स्थानीय और देश भर के बहुजन के हर किस्म के (सामाजिक-सांस्कृतिक आदि) संगठनों के मांगपत्र एकत्र करना. किसानों, कारीगरों, मज़दूरों, पटरी-ठेले वालों, आदिवासियों, महिलाओं, लोक कलाकारों आदि के संघर्षों के बिंदु और उनके संगठनों के मांगपत्रों को एकत्रित करना.
    (अपर्णा)

- **बहुजन ज्ञान विमर्श –** प्रत्येक शनिवार को विद्या आश्रम पर संवाद से प्राप्त जानकारी पर चिंतन व विमर्श करना. इसमें कभी किसी जानकार व्यक्ति को भी बुलाया जा सकता है.

3. बहुजन स्वराज पंचायत :

- बहुजन के संघर्ष, आन्दोलनों, गोष्ठि और सभाओं में जाना, उनके नेतृत्व से संवाद करना, उन्हें बहुजन स्वराज पंचायत की ऑनलाइन बैठकों में बुलाना और उनके यहाँ ज्ञान पंचायत को करना.